मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 247, मुंबई, शनिवार, 20 नवंबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

देशमुख को गिरफ्तार करने वालों को पवार की धमकी

मुंबई। पूर्व गृह मंत्री और एनसीपी नेता अनिल देशमुख की गिरफ्तारी को लेकर पार्टी चीफ शरद पवार का गुस्सा फूटा है। शरद पवार ने बीजेपी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि जिन लोगों ने अनिल देशमुख को जेल भिजवाने में भूमिका निभाई है, उन्हें ऐसा करने की कीमत चुकानी पड़ेगी। पवार ने नागपुर में एक रैली के दौरान देशमुख को बेगुनाह बताते हुए ये बातें कहीं। अनिल देशमुख को मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था और फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

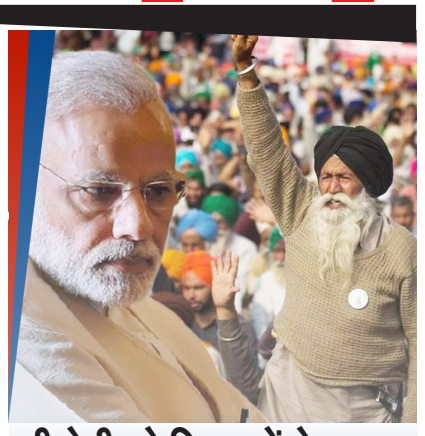

एमएसआरटीसी को 12 हजार करोड़ के घाटे की आशंका, अब सलाहकार बताएंगे कैसे होगी आर्थिक स्थिति बेहतर

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) का घाटा करीब 12 हजार करोड़ का घाटा होने की आशंका है। घाटे में चल रहे निगम के लिए आर्थिक बदलाव का अध्ययन करने के लिए एक सलाहकार नियुक्त करने का फैसला किया है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब निगम के कर्मचारी हड़ताल पर हैं। निगम कर्मचारियों की पिछले 23 दिनों से हड़ताल जारी है। इस बीच एमएसआरटीसी मुख्यालय में राज्य के परिवहन मंत्री अनिल परब की अध्यक्षता में गुरुवार को एक बैठक हुई। एक अधिकारी ने बताया कि बैठक में परामर्श सेवा देने वाली एक कंपनी को नकदी संकट से जूझ रहे निगम को वर्तमान वित्तीय स्थिति से बाहर निकालने के तरीकों का अध्ययन करने और सुझाव देने के लिए नियुक्त किया गया। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

बीजेपी को किसानों ने सबक सिखाया, बहुमत से आप कानून बना सकते हैं लोगों का दिल नहीं जीत सकते

शिवसेना की प्रवक्ता मनीषा कायंदे ने कहा कि कृषि कानूनों का वापस होना किसानों की बड़ी जीत है। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के बाद किसानों की यह सबसे बड़ी जीत है। आज किसानों ने मोदी सरकार को एक सबक सिखाया है।

चुनावी वादे में खरी नहीं उतरी शिवसेना

मुंबई। मनपा चुनाव में बड़े-बड़े वादे करने वाले प्रमुख राजनीतिक दलों ने मुंबईकरों के साथ धोखा किया है। सबसे ज्यादा सवाल सत्ताधारी के वादे पर उठाए गए हैं। पिछले बीएमसी चुनाव में शिवसेना ने मुंबई को गड्ढा मुक्त, भाजपा ने 24 घंटे पानी, कांग्रेस, एनसीपी ने फेरीवालों के लिए नीति बनाने का वादा किया था। लेकिन सत्ताधारी दलों के नगरसेवकों ने इन मुद्दों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। चुनाव के पांच साल बाद भी यह समस्याएं लोगों के सामने मुंह बाए खड़ी हैं, जबकि फरवरी 2022 में बीएमसी चुनाव होना है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

एक बड़ा दाग

भारतीय पुलिस सेवा के किसी वरिष्ठ अधिकारी को कानून से छिपते-बचते देखना न केवल दुखद, बल्कि शर्मनाक भी है। इस अधिकारी ने सर्वोच्च न्यायालय के सामने सुरक्षा की गुहार लगाई है, जिसे न्यायालय ने उचित ही ठुकरा दिया है। ऐसे अधिकारी की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने उनसे उनका ठिकाना पूछा है और साफ कर दिया है कि जब तक हम यह नहीं जान लेते कि आप कहां हैं, तब तक सुरक्षा नहीं देंगे। बेशक, यह ऐसा विरल संगीन मामला है, जिससे पुलिस सेवा की छवि पर उत्तरोतर दाग बढ़ना तय है। मुंबई के फरार पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह कानून के लंबे हाथों से बचने के लिए खूब हाथ-पैर मार रहे हैं। यह भी स्पष्ट नहीं कि वह देश में हैं भी या नहीं। उनकी ओर से पेश वकील को न्यायालय ने सही सूचना देने के लिए कहा है और सुनवाई के लिए 22 नवंबर की तारीख तय की है। अदालत स्वाभाविक ही किसी भी तरह के जोखिम से बचकर कदम बढ़ाना चाहती है। अक्सर यह देखा गया है कि अपराधी अदालती नरमी का नाजायज फायदा उठाते हैं। अतः यह जरूरी है कि भगोड़े अधिकारी को पहले सामने लाया जाए और उसके बाद ही उनकी सुरक्षा या जमानत पर सोचा जाए। दरअसल, परमबीर सिंह की ओर से की गई सुरक्षा की गुहार उन पर कसते शिकंजे का ही परिणाम है। मुंबई की एक निचली अदालत ने बुधवार को परमबीर सिंह और शहर के कुछ अन्य पुलिस अधिकारियों के खिलाफ दर्ज जबरन वसूली के मामले में सिंह को ह्यघोषित अपराधीह्ल करार दिया है। एक तरह से अपराधी घोषित होने के बाद ही इस पूर्व पुलिस अधिकारी को अपनी सुरक्षा की चिंता सताने लगी है। अफसोस की बात है, इतने वरिष्ठ अधिकारी को आखिरी बार इस साल मई में अपने कार्यालय में देखा गया था, उसके बाद से ही वह अवकाश पर हैं। पुलिस सचेत रहती, तो ह्यभगोड़ेह्ल, ह्यघोषित अपराधीह्ल जैसी नौबत ही नहीं आती। अधिकारी अगर सही तरीके से काम कर रहे थे, तो उन्हें भागने की जरूरत कतई नहीं थी। मुंबई पुलिस के दामन पर भी एक बड़ा दाग लगा है। यह पहली बार है, जब शहर के किसी पुलिस आयुक्त को भगोड़ा घोषित किया गया है और मुंबई के 43वें पुलिस आयुक्त सहित दो लोगों को 30 दिनों के भीतर अदालत के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया है, वरना उनकी संपत्ति कुर्क करने प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। यह मामला इसलिए भी गंभीर है कि विगत चार महीनों में भारतीय पुलिस सेवा के इस वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ पांच मामले दर्ज हुए हैं, लेकिन वह कहीं भी जांच के लिए उपस्थित नहीं हुए। यहां तक कि वह न्यायमूर्ति केयू चांदीवाल आयोग के समक्ष पेश होने में भी विफल रहे हैं। यह आयोग महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख से जुड़े मामले की जांच कर रहा है। विडंबना देखिए, राज्य के पूर्व गृह मंत्री सलाखों के पीछे हैं, लेकिन मुंबई के आयुक्त रहे अधिकारी फरार हैं। उन्हें हर हाल में सामने लाना चाहिए, ताकि देश को पता चले कि दाल में कुछ काला है या पूरी दाल ही काली है। शासन-प्रशासन के साए में चले फिरौती, वसूली के इस खिलवाड़ का रेशा-रेशा इस देश के लोगों के सामने आना चाहिए। लोगों के विश्वास और कानून के आईने में शासन-प्रशासन को अपना चेहरा नए सिरे से देख लेना चाहिए।

विकास की यह राह विषैली

प्रदूषण को लेकर अभी तमाम तरह की चचाएं चल रही हैं। मगर इन सभी बहसों में जिस एक पहलू को नजरंदाज किया जा रहा है, वह है हमारा विकास मॉडल। प्रदूषण बढ़ाने में इसका बड़ा योगदान है। यह भौतिक विकास को मानव विकास का पैमाना मानता है। करीब 150-200 साल पुराना यह मॉडल अधिक से अधिक उत्पादन पर जोर देता है, ताकि लोगों की आमदनी बढ़े और वे अपने लिए अधिकाधिक भौतिक सुविधाएं जुटा सकें। इसमें 'मोर इज बेटर' (जितना ज्यादा, उतना अच्छा) की अवधारणा नत्थी है। चूंकि अर्थशास्त्र के सिद्धांतों के मुताबिक, हमारी समझदारी इसी में है कि हम खुद की बेहतरी करते रहें, इसलिए हम हमेशा अपनी सोचते हैं और अपने हितों की पूर्ति में ही रमे रहते हैं।

इस कारण हर इंसान अधिक खपत करने की जुगत में रहता है, और खपत बढ़ने का अर्थ है प्रदूषण का अधिक बढ़ना। बाजार ने हमारी सोच इतनी कुंद कर दी है कि अगर हम खपत नहीं बढ़ाते, तो यह मान बैठते हैं कि अपनी तरक्की नहीं कर रहे हैं। यह सोच पहले विकसित राष्ट्रों तक सीमित थी, लेकिन बाद में तीसरी दुनिया (भारत भी इसमें शामिल है) के संपन्न तबकों की बनी, और अब यह रिसकर मध्यवर्ग तक पहुंच गई है। दिल्ली का सामाजिक-आर्थिक सर्वे बताता है कि यहां 90 प्रतिशत परिवारों का मासिक खर्च 10 हजार रुपये भी नहीं है। इतनी कम रकम में उनकी बुनियादी जरूरतें ही जैसे-तैसे पूरी हो पाती होंगी, इसलिए अपने देश में खपत मूलतः संपन्न तबका कर रहा है। दुनिया के स्तर पर यह वर्ग अमीर राष्ट्र का है। यह ह्यरीसाइकिलह्ल में विश्वास नहीं करता। उसके लिए उत्पाद खराब होने का मतलब नए उत्पाद की खरीदारी है। इसीलिए कार्बन फुटप्रिंट में उसकी हिस्सेदारी अधिक है और गरीबों की बहुत कम। मुश्किल यह है कि सब कुछ जानते-समझते हुए भी धनाढ्य वर्ग अपनी खपत कम करने को तैयार नहीं। यही वजह है कि हमारी आबोहवा अब जानलेवा हो चली है, नदियां अपनी निर्मलता छोड़ चुकी हैं और जमीन का दोहन बढ़ने लगा है। हम चाहें, तो इनमें सुधार ला सकते हैं। बेशक, वैश्विक तापमान बढ़ने का असर हम पर भी हो रहा है, लेकिन नदियों की साफ-सफाई या जमीन की हिफाजत हमारे अपने हाथ में है।

साफ है, विकसित राष्ट्रों की संस्कृति को अपनाने का दुष्परिणाम भारत जैसे देश भुगत रहे हैं। हम एक तरफ अपना सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) बढ़ाने के लिए ऐसी

आर्थिक गतिविधियां करते हैं, जिनसे प्रदूषण बढ़ता है, और फिर उसको साफ करने की कथित कवायद करके जीडीपी बढ़ाते हैं और अपनी पीठ थपथपाते हैं। यानी, पहले बीमार करो और फिर इलाज में हुए खर्च को जीडीपी में जोड़कर अपनी तरक्की दिखाओ। इंडियन इकोनॉमी सिंस इंडिपेंडेंस नामक किताब में मैंने सवाल किया था कि अधिकाधिक डॉक्टर, नर्स या अस्पताल एक अच्छे समाज के सूचक हैं या बुरे समाज के? इनकी एक आदर्श संख्या तो समझी जा सकती है, लेकिन यदि गली-गली में अस्पताल खुलने लगें, तो समझ लेना चाहिए कि बीमारियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी किताब में एक जगह मैंने 2002 में एम्स के डॉक्टरों द्वारा किए गए अध्ययन का जिक्र किया है। यह अध्ययन बताता है कि 1980 के दशक में बच्चों को अस्थमा की शिकायत नहीं होती थी, लेकिन 2002 में अस्थमा के कुल मरीजों में बच्चों की हिस्सेदारी लगभग 15 फीसदी थी।

यह सब कुछ बाजारीकरण की देन है। ह्यमोर इज बेटरह्ल की अवधारणा दरअसल हमारे जीवन में रच-बस गई है। बाजारीकरण के साथ ही यह भी जुड़ा है कि स्वच्छ तकनीक विकसित देशों में रहेगी और खराब (यानी बीमार करने वाली) तकनीक विकासशील देशों में। ऐसा क्यों? इसका खुलासा विश्व बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री रहे लॉरेंस हेनरी समर्स ने 2002 में किया था। उन्होंने एक परचा लिखा था, जो लीक हो गया। उन्होंने लिखा था, यह बाजार तय कर रहा है कि विकसित देशों की तुलना में विकासशील देशों में लोग मरें, क्योंकि अमीर राष्ट्र के बाशिंदे बाजार में सक्षम होते हैं। उनकी प्रति व्यक्ति आय अधिक है और वे तुलनात्मक रूप से लंबा जीवन जीते हैं। उनकी सोच की पुष्टि इससे भी होती है कि कभी दिल्ली की यमुना की तरह गंदी रहने वाली टेम्स नदी इसलिए साफ हो पाई, क्योंकि वहां स्वच्छ तकनीक का इस्तेमाल होने लगा। मगर विकासशील देशों में ऐसा नहीं हो सकता, क्योंकि उनके पास इतनी उन्नत तकनीक नहीं है। संसाधनों की सीमा है।

साफ है, जब तक हम बाजार को तवज्जो देंगे, प्रदूषण का समाधान नहीं निकाल पाएंगे। कार्बन उत्सर्जन को कम करने की बातें सभी कह रहे हैं, मगर यह इसलिए बढ़ रहा है, क्योंकि हमने इसको कम करने का गलत रास्ता चुना है। मसलन, वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने पर तमाम देश सहमत दिख रहे हैं, मगर क्या किसी ने यह सोचा कि जब हम 2 डिग्री सेल्सियस तक भी नहीं पहुंचे हैं और ह्यअनियंत्रित मौसम की चरम अवस्थाह्ल को भुगतने को अभिशप्त हैं, तब जब उस मानक तक पहुंचेंगे, तब क्या होगा? इसीलिए अच्छा होगा कि अभी जितना वैश्विक तापमान है, लक्ष्य उससे कम रखा जाए।

आखिर इसका समाधान क्या हो? यहां महात्मा गांधी को हमें याद करना चाहिए। गांधीजी अहिंसा की बात करते थे। इसमें सिर्फ दूसरे इंसान के साथ नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ भी हिंसा (दोहन, खनन आदि) न करने की गुजारिश शामिल थी। इसीलिए, वह कहा करते थे कि प्रकृति सबकी जरूरत तो पूरी कर सकती है, लेकिन लालच को पूरा नहीं कर सकती। दुर्भाग्य से, हम इसी लालच की गिरफ्त में हैं। लोगों को जागरूक करके ही प्रदूषण को थामा जा सकता है। गांधीजी के मुताबिक, हमें साधारण जीवनशैली अपनानी होगी। अपनी जरूरतें सीमित करनी होंगी। खपत कम करनी होगी। स्वहित की जगह परहित को तवज्जो देनी होगी। और, समाज का हरसंभव ख्याल रखना होगा। यदि हम ऐसा कर सकें, तभी बात बनेगी। अन्यथा, बाजार का यह मॉडल सब कुछ तहस-नहस कर देगा।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस. खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, **फोन:9619102478 /9821238815** email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस. खान**,
समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

मुंब्रा पुलिस की रात में कड़ी पेट्रोलिंग मुहिम को लेकर संघर्ष कमेटी ने किया सत्कार

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। पिछले कई दिनों से मुंब्रा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दादाहीरे के चोरे के मार्गदर्शन में लगातार रात के समय में मुंब्रा पुलिस की कड़ी पेट्रोलियम टीम के कारनामों की प्रशंसा की जा रही है। रात में 2:00 बजे तक चलने वाले खानपान के होटल चाइनीस की दुकानों को मुंब्रा पुलिस द्वारा 12:00 बजे बंद कर देने की कवायद शुरू कर दी है और रात के समय रास्तों पर खड़े लोगों पर पुलिस द्वारा सकतीं कर लोगों को घर पर जाने की हिदायत दी जा रही है। पुलिस द्वारा चलाई गई इस मुहिम से शहर वासियों को चैन की नींद सुला रही है। पुलिस द्वारा रात के समय मैं की जा रही कार्रवाई को लेकर नशा कारोबारियों पर प्रतिबंध लगता हुआ नजर आ रहा है क्योंकि इनका कारोबार रात के समय में ही चला करता है और नशेड़ी चोरों को घर फोड़ी करना मोटरसाइकिल और मोटरसाइकिल के पार्ट्स चुराना का कारोबार पर पूरी तरह से अंकुश लग गया और यह नशेड़ी चोर चोरी जैसे संगीन वारदातों को अंजाम देने में नाकामयाब होते हुए नजर आ रहे हैं। इस कड़ी मुहिम के चलते जहां पुलिस की प्रशंसा जनता द्वारा की जा रही है। वहीं दूसरी ओर कई सामाजिक संस्थाएं संघर्ष कमेटी भी आगे आकर मुंब्रा पुलिस के मनोबल को और उनके कामों को सरआ रही है। संघर्ष कमेटी की अध्यक्ष रुता अवार्ड द्वारा मुंब्रा पुलिस का सत्कार किया उन्होंने बताया कि हमेशा हम लोग पुलिस पर उंगली उठाने का काम करते हैं। लेकिन आज जो मुंब्रा पुलिस ने रात में कड़ी पेट्रोलियम की मुहिम शुरू की है। उससे क्राइम कम होता हुआ शहर में नजर आ रहा है और इसी तरह से अगर मुंब्रा पुलिस अपना काम करती रही तो बहुत जल्दी क्राइम रेट मुंब्रा में जीरो हो जाएगा उनके साथ आए तमाम पदाधिकारी ने भी मुंब्रा पुलिस की तारीफ की इस सत्कार में मुंब्रा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दादाहरि के चोरे की कमी महसूस की गई क्योंकि वह अपने निजी कामों के लिए छुट्टी पर थे उनकी जगह पर क्राइम पी आई गीताराम शिवाले (सिंघम) और डिडक्शन ब्रांच की एपीआई बोरसे (लेडी सिंघम) और अन्य कई पुलिस कर्मियों की उपस्थिति में सत्कार समारोह को संपन्न किया गया। क्राइम पी आई गुनाह के शिवाले ने आश्वासन दिया की यह मुहिम इसी तरह से चलती रहेगी। हमारे पास दो टीमें हैं एक टीम दिन के लिए और एक टीम रात के लिए है और हमारे पास स्टाफ भी है। इसीलिए हम यह मुहिम को हमेशा जारी रखेंगे फिलहाल जनता के बीच में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि पुलिस द्वारा छेड़ी गई। इस मुहिम को लेकर नशा के कारोबारियों मैं हड़कंप मचा हुआ है क्योंकि इनके नशे के कारोबार पर मुंब्रा पुलिस की कड़ी नजर है और बहुत जल्दी मुंब्रा पुलिस मुंब्रा शहर को नशा मुक्त करेगी।

कलेक्टर के आदेश नहीं हो रही पालना कांग्रेस नेता डूडी के घर के आगे नहीं हटा अतिक्रमण

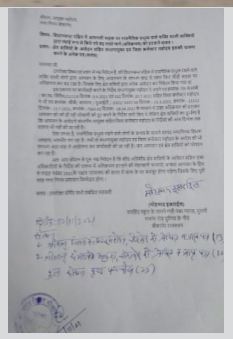

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। वैध मघाराम कॉलोनी निवासी मोहम्मद इसराईल ने बताया कि वैध मधाराम कॉलोनी एवं आस पास के क्षेत्र के लोगों ने कलेक्टर को ज्ञापन देकर बताया कि पंडित धर्म कांटे के कुछ असामाजिक ताकतवर लोगों द्वारा लोहे मजबूत गाटर एंगल जालियां लगाकर आमजन के आने-जाने के लगभग साठ पैसंठ फिट चौड़ी सड़क स्थाई रूप से बंद कर रखी है जिसके लिए आपने भी हटाने के आदेश दिए अनेकानेक नगरनिगम प्रशासन को लिखे लेकिन आम रास्ते को खुलवाने के आदेश की निगम प्रशासन दस महीने बीत जाने पर भी कार्रवाई नहीं कर रहा है। कलेक्टर को ज्ञापन के माध्यम से उनके किए गए आदेश दिखाते हुए लोगों कहा कि निगम प्रशासन ने इसपर जल्द कार्रवाई कर अतिक्रमण हटा आमजन के लिए रास्ता नहीं खुलवाया तो लोग में आक्रोश बढ़ता जा रहा है धरना प्रदर्शन करने पर मजबुर होंगे। ज्ञापन देने वालों में मोहम्मद इसराईल, अनवर हुसैन,नवीन ठकराल,अस्त अली, मुकेश कुमार गौड़, शहजाद, साहिल, सुरेन्द्र सिंह, सरफराज, आदि क्षेत्र वासी मौजूद रहे। मोहम्मद इसराइल पंडित धर्म कांटे के पिछे प्रताप बस्ती बीकानेर।

(पृष्ठ 1 का शेष भाग)

देशमुख को गिरफ्तार करने.....

इतना ही नहीं पवार ने अनिल देशमुख पर कई आरोप लगाने वाले मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह के लापता होने पर भी सवाल उठाए। परमबीर सिंह के आरोपों के बाद ही अनिल देशमुख को मंत्रीपद से इस्तीफा देना पड़ा था। शरद पवार ने नागपुर में कहा, 'हमने अनिल बाबू का केस देखा। उनका अपराध क्या था? आप सब अच्छे से जानते हैं। एक दिन, परमबीर सिंह मुझसे मिलने आए और बताया कि उन्होंने सीएम से देशमुख की शिकायत की है। जब मैंने उनसे पूछा कि यह शिकायत किस बारे में है, तो उन्होंने कहा कि देशमुख ने उन्हें उगाही करने का निर्देश दिया था। तब मैंने परमबीर से पूछा कि क्या उसने निर्देश माना। उन्होंने न में जवाब दिया। समझ नहीं पाया कि देशमुख का अपराध क्या था? क्या उनके कथित निर्देश का पालन न हो पाना?' बता दें कि परमबीर सिंह ने आरोप लगाया था कि देशमुख ने उन्हें हर महीने मुंबई के कारोबारियों और अन्य व्यवसायियों से 100 करोड़ रुपये की उगाही करने का निर्देश दिया था। ये आरोप परमबीर सिंह ने मुंबई पुलिस कमिश्नर पद से ट्रांसफर किए जाने के तुरंत बाद लगाए थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने कहा, 'आप (बीजेपी) एक आदमी (देशमुख) के खिलाफ प्रोपोगेंडा फैला रहे हैं। देशमुख मेरे पास आए थे और बताया था कि पुलिस कमिश्नर ने उनके खिलाफ शिकायत की है।

एमएसआरटीसी को 12 हजार करोड़ के.....

एमएसआरटीसी का राज्य सरकार में विलय करने की मांग को लेकर निगम के अधिकतर कर्मचारी 28 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। इससे उन्हें सरकारी कर्मचारियों का दर्जा और बेहतर वेतन मिलेगा। एमएसआरटीसी के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक शेखर चन्ने ने कहा कि केपीएमजी को एमएसआरटीसी के समग्र अध्ययन और निगम के वित्तीय पुनरुद्धार के लिए विभिन्न उपायों का सुझाव देने के लिए नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि परामर्श कंपनी साल के अंत से पहले अपनी रिपोर्ट सौंप सकती है। कोविड-19 महामारी के प्रकोप के बाद से, राज्य के स्वामित्व वाला निगम अपने सबसे खराब वित्तीय संकट से गुजर रहा है। एमएसआरटीसी के उपाध्यक्ष ने कहा कि वित्तीय संकट के कारण निगम अपने कर्मचारियों को भुगतान करने में भी सक्षम नहीं है। अन्य भुगतान करने के लिए राशि के लिए उसे सरकार पर निर्भर रहना पड़ा है। दिवाली के वक्त से जारी हड़ताल ने आर्थिक संकट को और गहरा कर दिया है। एक अधिकारी ने बताया कि महामारी से पहले निगम का संचित घाटा लगभग 8500 करोड़ रुपये था। लेकिन, लॉकडाउन के दौरान हुए नुकसान के कारण, इस वित्तीय वर्ष के अंत तक यह संख्या बढ़कर 12,000 करोड़ रुपये होने की आशंका है।

चुनावी वादे में खरी नहीं उतरी शिवसेना.....

मनपा चुनाव के दौरान अपने-अपने घोषणा पत्र में राजनीतिक दलों ने मुंबईकरों से क्या वादा किया था और उसे कितना पूरा किया, प्रजा फाउंडेशन ने उसका लेखा-जोखा सामने रखा। प्रजा फाउंडेशन का कहना है कि राजनीतिक दलों के चुनावी वादे सिर्फ कागजों तक सीमित रह गए, जबकि मुंबईकर अब भी उसी समस्या का सामना कर रहे हैं। फाउंडेशन ने गुरूवार को 'मुंबई के पक्षानुसार घोषणापत्र (2017- 22) का विश्लेषण और लक्ष्य 2022-2027' के लिए रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट के अनुसार शिवसेना ने नई तकनीक का इस्तेमाल कर मुंबई को गड्ढा मुक्त करने का वादा किया था , लेकिन वित्तीय वर्ष 2017-18 से 2020-21 के बीच मुंबई में सड़कों से संबंधित 17,908 शिकायतें बीएमसी को मिलीं। भाजपा ने 24 घंटे पानी का वादा किया था लेकिन वह सत्ता में नहीं है, जबकि मुंबई के 290 क्षेत्रों में से 204 क्षेत्रों में सिर्फ 4 घंटे पानी की आपूर्ति की गई। एनसीपी व कांग्रेस ने अपने चुनाव वादे में फेरीवालों और विशेष क्षेत्रों के लिए नीति बनाने का वादा किया था। जबकि वर्ष 2017-18 से 2020-21 के दौरान फेरीवालों से संबंधित 34,129 शिकायतें दर्ज की गई। पांच साल के दौरान जनता की शिकायतों का निवारण नहीं किया गया है। मुंबई में सबसे ज्यादा 75915 शिकायतें सीवरेज व जल निकासी से संबंधित रहीं। नगरसेवकों ने जल निकासी व सीवरेज से संबंधित सिर्फ 136 प्रश्न पूछे। कचरे से संबंधित 54,029 शिकायतें बीएमसी को मिलीं, जिसमें 40 प्रतिशत कचरा न उठाने से संबंधित थीं। नगरसेवकों ने कचरे के मुद्दे पर सिर्फ 287 सवाल बीएमसी प्रशासन से पूछा है। सड़क पर बने गड्ढे की समस्या दूर करने के लिए नगरसेवकों ने सिर्फ 2 प्रतिशत सवाल पूछा, इसी तरह जलापूर्ति के लिए 7 प्रतिशत पश्न पूछी गए। चुनावी वादों के बावजूद नगरसेवकों ने फेरीवालों व स्ट्रीट वेंडर से जुड़े सिर्फ 4 प्रतिशत प्रश्न उठाया।

किसी भी गरीब की गरीबी का मजाक बनाने के वजाय उसकी प्रतिभा का उचित सम्मान करें

एक फटी धोती और फटी #कमीज पहने एक व्यक्ति अपनी 15-16 साल की बेटी के साथ एक बड़े होटल में पहुंचा। उन दोंनो को कुर्सी पर बैठा देख एक वेटर ने उनके सामने दो गिलास साफ ठंडे पानी के रख दिए और पूछा- आपके लिए क्या लाना है? उस व्यक्ति ने कहा- मैंने मेरी बेटी को वादा किया था कि यदि तुम कक्षा दस में जिले में प्रथम आओगी तो मैं तुम्हे शहर के सबसे बड़े होटल में एक डोसा खिलाऊंगा। इसने वादा पूरा कर दिया। कृपया इसके लिए एक डोसा ले आओ। वेटर ने पूछा-आपके लिए क्या लाना है? उसने कहा- मेरे पास एक ही डोसे का पैसा है। पूरी बात सुनकर वेटर मालिक के पास गया और पूरी कहानी बता कर कहा- मैं इन दोनो को भर पेट नास्ता कराना चाहता हूँ। अभी मेरे पास पैसे नहीं है, इसलिए इनके बिल की रकम आप मेरी सैलेरी से काट लेना। मालिक ने कहा- आज हम होटल की तरफ से इस होनहार बेटी की सफलता की पार्टी देंगे। होटलवालों ने एक टेबल को अच्छी तरह से सजाया और बहुत ही शानदार ढंग से सभी उपस्थित ग्राहको के साथ उस गरीब बच्ची की सफलता का जश्न मनाया।मालिक ने उन्हे एक बड़े थैले में तीन डोसे और पूरे मोहल्ले में बांटने के लिए मिठाई उपहार स्वरूप पैक करके दे दी। इतना सम्मान पाकर आंखों में खुशी के आंसू लिए वे अपने घर चले गए। समय बीतता गया और एक दिन वही लड़की क.अ.र.की परीक्षा पास कर उसी शहर में कलेक्टर बनकर आई। उसने सबसे पहले उसी होटल मे एक सिपाही भेज कर कहलाया कि कलेक्टर साहिबा नास्ता करने आयेंगी। होटल मालिक ने तुरन्त एक टेबल को अच्छी तरह से सजा दिया। यह खबर सुनते ही पूरा होटल ग्राहकों से भर गया। कलेक्टर रूपी वही लड़की होटल में मुस्कराती हुई अपने माता-पिता के साथ पहुंची। सभी उसके सम्मान में खड़े हो गए।होटल के मालिक ने उन्हे गुलदस्ता भेंट किया और आर्डर के लिए निवेदन किया। उस लड़की ने खड़े होकर होटल मालिक और उस बेटर के आगे नतमस्तक होकर कहा- शायद आप दोनों ने मुझे पहचाना नहीं। मैं वही लड़की हूँ जिसके पिता के पास दूसरा डोसा लेने के पैसे नहीं थे और आप दोनों ने मानवता की सच्ची मिसाल पेश करते हुए,मेरे पास होने की खुशी में एक शानदार पार्टी दी थी और मेरे पूरे मोहल्ले के लिए भी मिठाई पैक करके दी थी। आज मैं आप दोनों की बदौलत ही कलेक्टर बनी हूँ। आप दोनो का एहसान में सदैव याद रखूंगी। आज यह पार्टी मेरी तरफ से है और उपस्थित सभी ग्राहकों एवं पूरे होटल स्टाफ का बिल मैं दूंगी। कल आप दोनों को श्रेष्ठ नागरिक का सम्मान एक नागरिक मंच पर किया जायेगा।

हार्दिक पांड्या के पास से मिलीं पाँच करोड़ की दो घड़ियां,यूएई से लौटने पर कस्टम ने जब्त कीं

रिपोर्टर/अरमान उलहक

नई दिल्ली। टीम इंडिया के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या मुश्किल में फंसे गए हैं। हार्दिक पांड्या जब टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेकर भारत लौटे तो एयरपोर्ट पर तलाशी के दौरान उनके पास से 5 करोड़ रुपए कीमक ती दो घड़ियां बरामद हुईं। हार्दिक पांड्या के पास इन लक्झरी घड़ियों के बिल नहीं थे। साथ ही उन्होंने इन घड़ियों का जिक्र अपने सामान की लिस्ट में किया था। यानी हार्दिक चोरीछुपे ये घड़ियां भारत लाना चाहता थे। यह घटनाक्रम रविवार देर रात का है जब भारतीय क्रिकेट टीम यूएई से भारत लौटी। टीम इंडिया के प्रदर्शन निराशाजनक रहा है और टीम पाकिस्तान तथा न्यूजीलैंड से हारने के बाद सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सकी। वहीं हार्दिक पांड्या को खूब मौके मिले, लेकिन अहम मुकाबलों में वे फ्लॉप साबित हुए।

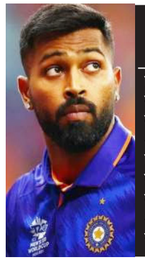

कुणाल पांड्या के साथ भी हुआ ऐसा ही केस

दिलचस्प बात यह है कि पिछले साल हार्दिक के बड़े भाई कुणाल पांड्या को दुबई से लौटते समय मुंबई एयरपोर्ट पर अघोषित सोने और अन्य कीमती सामान रखने के संदेह में हिरासत में लिया गया था। कुणाल के पास से एक करोड़ रुपये का सोना और कुछ अघोषित लग्जरी घड़ियां बरामद हुई थीं। डीआरआई अधिकारियों के अनुसार, मामला हवाईअड्डा सीमा शुल्क को सौंप दिया गया था।

***लक्झरी लाइफ के शौकिन हैं हार्दिक पांड्या** – हार्दिक पांड्या लक्झरी लाइफ जीते हैं। हार्दिक दुनिया की कुछ सबसे महंगी घड़ियों के मालिक हैं और उनके घड़ी संग्रह में पाटेक फिलिप नॉटिलस प्लेटिनम 5711 भी शामिल है – जिसकी कीमत 5 करोड़ रुपये से अधिक है। जीक्यू इंडिया के अनुसार, घड़ी 32 बैगूएट-कट पन्ना से बनी है। इससे पहले अगस्त में, आईपीएल 2021 के दूसरे चरण से एक महीने पहले हार्दिक ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की थी, जिनमें वे महंगी घड़ियों के साथ नजर आए थे।*

चुनाव हरने के डर से पीएम मोदी ने यह फैसला लिया, समाजवादी नेता अबू आजमी का दावा

मुंबई में समाजवादी पार्टी के विधायक और प्रदेश अध्यक्ष अबू असीम आजमी ने कहा है कि यह किसानों की जीत है। देश की अहंकारी सरकार को आखिरकार किसानों के आगे झुकना पड़ा है।

जन्नत जुबैर और मिस्टर फैसू स्टारर बेहतरीन मूजिक वीडियो "तू मेरा मिसरा है" मुम्बई में हुआ लांच

आत्मा म्यूजिक से रिलीज होते ही गाना हुआ वायरल

जन्नत जुबैर और मिस्टर फैसू स्टारर एक बेहतरीन मूजिक वीडियो ₹तू मेरा मिसरा है₹ मुम्बई के द क्लब में लांच किया गया तो यहां अल्बम के सितारे जन्नत जुबैर, मिस्टर फैसू, प्रोड्यूसर अय्यूब कुरैशी, मुहाफिज कुरैशी, सिंगर्स भानु पंडित, अनिता भट्ट और डायरेक्टर जय प्रकाश मौजूद थे। यह रोमांटिक गीत आत्मा म्यूजिक के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है जिसे खूब बेहतरीन रेस्पॉन्स मिल रहा है। कुरैशी प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड और फाइव फेसेस एंटरटेनमेंट प्रेजेंट्स मूजिक वीडियो ₹तू मेरा मिसरा है₹ के निमार्ता वसीम कुरैशी, अय्यूब कुरैशी हैं। संगीत गीत भानु पंडित का है। प्रोड्यूसर अय्यूब कुरैशी ने कहा कि तू मेरा मिसरा है एक सॉफ्ट रोमांटिक गीत है, जिसमे जन्नत जुबैर और फैजु ने कमाल का काम किया है। दोनों की परफॉर्मेंस और इनका अभिनय देखने लायक है। मुझे खुशी है कि गाने को शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है। जन्नत जुबैर ने कहा कि यह गाना हमारे दिल के करीब है जिसकी शूटिंग शिमला की वादियों में हुई है। शूटिंग के दौरान भी हमने काफी एन्जॉय किया और कई फनी मोमेंट्स यादगार के तौर पर जेहन में हैं। मिस्टर फैजु ने कहा कि जन्नत के साथ हमारी केमिस्ट्री बहुत अच्छी है और फैन्स हमारी जोड़ी को भी खूब पसन्द करते हैं। यह गाना वाकई बहुत ही प्यारा बन पड़ा है और इसका रेस्पॉन्स तो अमेजिंग है। संगीतकार व सिंगर भानु पंडित ने कहा कि मिसरा दरअसल गजल और शेर में मौजूद होता है।

जब दो मिसरे होते हैं तब एक शेर कम्प्लीट होता है। इसी तरह के लिरिक्स इस गीत में भी हैं कि मैं हूँ अधूरी गजल तू मेरा मिसरा है। तू मेरा मिसरा है के निमार्ता वसीम कुरैशी, अय्यूब कुरैशी, संगीतकार गीतकार भानु पंडित, सिंगर्स भानु पंडित व अनिता भट्ट हैं। को प्रोड्यूसर्स : सचिन बेल्दर, विकास तिवारी, अख्तर खान, डॉ अनिल उपाध्याय, रवि प्रियांशू, मुहाफिज कुरैशी, अजान कुरैशी, निर्देशक डीओपी जय प्रकाश हैं।क्रिएटिव प्रोड्यूसर करण रमानी, मार्केटिंग हेड दिनेश कुशवाहा, म्यूजिक लेबल आत्मा म्यूजिक, लाइन प्रोड्यूसर प्रदीप एंड सनी, प्रोजेक्ट डिजाइनर विभास, एडिटर अमित मंडल, डिजिटल मार्केटिंग हेड मुकेश मिश्रा हैं।

अभूतपूर्व पहल के लिए प्रधानमंत्री का हार्दिक अभिनंदन- सरदार पतविंदर सिंह

विद्या शंकर शुक्ला ब्यूरो मुंबई हलचल

नैनी प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह ने शुक्रवार को कहा कि सिख धर्म के संस्थापक व समस्त संसार मेंसमानता, सेवाभाव, सत्कर्म का प्रकाश फैलाने वाले सिखों के प्रथम गुरु श्री गुरु नानकदेव जी के 552वें पावन प्रकाश-पर्व की सबको कोटि-कोटि बधाइयाँ व हार्दिक शुभकामनाएं। सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक एकता व परोपकार की उनकी अलौकिक शिक्षाएं सदैव हमें राष्ट्रहित व जनकल्याण हेतु प्रेरित करती रहेंगी। सरदार पतविंदर सिंह ने आगे कहा कि श्री गुरु नानक देव जी की जयंती के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐतिहासिक फैसला से फिर साबित किया उनके लिए देश और किसानों के हितों से बढ़कर कुछ भी नहीं है। सरदार पतविंदर सिंह ने अंत में कहा कि प्रधानमंत्री ने 'तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने का 'फैसला किया है ।इस अभूतपूर्व पहल के लिए प्रधानमंत्री का हार्दिक अभिनंदन करते हैं।

रिश्ते हुए कलंकित घर में बुलाकर भतीजी से दुष्कर्म करने वाला रिश्ते का चाचा हुआ गिरफ्तार

रिपोर्टर/अरमान उलहक

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा से रिश्तों को कलंकित करने वाली घटना सामने आई है जहाँ चाचा ने ही रिश्ते की भतीजी को हवस का शिकार बना डाला कोतवाली कासना क्षेत्र में रिश्ते के चाचा ने 19 वर्षीय भतीजी को घर में बुलाकर दुष्कर्म कर रिश्तों को शर्मसार किया था। आरोपी को कासना पुलिस ने सोमवार रात सिरसा गोलचक्कर के पास के गिरफ्तार कर लिया है। कासना थाना प्रभारी ने बताया कि क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली युवती(19 वर्ष) ने 14 नवंबर को पुलिस से शिकायत की थी कि लगभग डेढ़ माह पहले रिश्ते के चाचा सिंहराज जाटव (40 वर्ष) ने अपने घर पर उसे बुलाया था। पुलिस के मुताबिक आरोपी विवाहित है और उसके तीन बच्चे हैं। आरोपी ने पीड़िता को जान से मारने की धमकी देकर दुष्कर्म किया था। आरोप है कि इसके बाद भी आरोपी पीड़िता को परेशान कर रहा था और परिजन या पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दे रहा था। पीड़िता के साथ परिजनों ने पुलिस से शिकायत की थी। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर केस दर्ज किया था। पुलिस ने बताया कि आरोपी सिंहराज जाटव को सोमवार रात सिरसा गोलचक्कर के पास से गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार को आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

आत्महत्या का प्रयास करने वाले वह एस. टी कर्मचारी की मौत

बुलढाणा, राज्य परिवहन निगम का राज्य सरकार में विलय करके। राज्य सरकार के कर्मचारियों को वेतन और भत्तों के भुगतान की मांग को लेकर एसटी कर्मचारी पिछले 12 दिनों से हड़ताल पर हैं। एस। कर्मचारियों को निलंबित करने की नीति का पालन करते हुए जहां एस टी विभाग ने कई कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है, वहीं खामगांव एस. टी आगार के सहायक मैकेनिक विशाल अंबालकर ने दो दिन पहले जहर खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की थी। अकोला के एक अस्पताल में इलाज के दौरान बुधवार रात उसकी मौत हो गई। इस घटना के चलते बुलढाणा जिले के एस. टी कार्यकताओं का आंदोलन तेज होने की संभावना है। एस। टी-वर्कर्स आंदोलन में अब तक बुलढाणा जिले के 200 कर्मचारियों को निलंबित किया जा चुका है। हड़ताल में शामिल खामगांव एसटी डिपो के सहायक मैकेनिक विशाल अंबालकर ने दो दिन पहले शेगांव तालुका के माटरगांव स्थित अपने घर में जहर खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की थी. उन्हें पहले खामगाँव उप-जिला अस्पताल और बाद में अकोला अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया। दो दिनों से उनकी हालत गंभीर थी। बुधवार की रात करीब 9 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। इससे जिले के एसटी कार्यकताओं में रोष है। गुरुवार सुबह अंबालकर का शव उनके गांव लाया गया। इसके बाद जिले भर से एसटी कार्यकर्ता माटरगांव पहुंचे थे।

सरकार पूनम अंकुर छाबड़ा के सामने झुकी संघर्ष की जीत हुई आंदोलनकारी पूनम अंकुर छाबड़ा के अनशन स्थल पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन

जयपुर। इस मौके पर पूनम छाबड़ा ने कहा, सरकार नशे का व्यापार बन्द करे ।सरकार बेशक हमारा खून बेच दे, उससे रेवन्यू अर्जित करे, मगर शराब रूपी जहर व अन्य नशे के पदार्थों को बेचना बंद करे, ताकि आने वाली पीढियों का भविष्य बचाया जा सके। देश को बचाना है, इसलिए नशामुक्ति की ओर अग्रसर होना होगा। सशक्त लोकायुक्त से ही भ्रष्टाचार को रोक कर देश के गरीबों को सशक्त कर नया जीवन दिया जा सकता है। सरकार के न्यौते पर प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष पवन जैन, सचिव ओमप्रकाश घूमना, विशाल भारद्वाज व चंचल धीमन ने सचिवालय में वित्त सचिव से मुलाकात की, जो सकारात्मक रही। इधर डॉ. जाँच में पूनम अंकुर छाबड़ा के बी.पी. ज्यादा नीचे आने पर डॉ. ने हॉस्पिटल रैफर कर दिया। पूनम अंकुर छाबड़ा के मना करने के बावजूद जबरन बुधवार को अनशनस्थल से उठाकर आईसीयू में भर्ती करवा दिया गया था। वहाँ पर उनके रक्तचाप की जांच की गयी तो वह काफी नीचे जा चुका था। इसी के मद्देनजर सरकार के प्रतिनिधि आबकारी अधिकारी सुनील भाटी व पूर्व विधायक गोपीचंद गुर्जर (नगर) रटर हॉस्पिटल पहुंचे। सरकारी अधिकारियों ने पूनम अंकुर छाबड़ा की शराबबंदी और उनकी अन्य मांगों को लेकर की गयी कार्यवाही से अवगत करवाया। यह भी जानकारी पूनम छाबड़ा को दी गयी कि डॉ. बीडी कल्ला की अध्यक्षता में

एक कमेटी का गठन कर दिया गया है। उन्होंने हॉस्पिटल में पूनम अंकुर छाबड़ा की माँगों को मान लिया गया है व सभी बिंदुओं की जानकारी मीडिया के सामने बयान में दी। ओमप्रकाश घूमना, पूर्व विधायक गोपीचंद गुर्जर, शराबबंदी समर्थक व आबकारी अधिकारी सुनील भाटी के आग्रह पर पूनम अंकुर छाबड़ा ने अनशन स्थगित कर ज्यूस पिया।फिलहाल पूनम अंकुर छाबड़ा एस एम एस हॉस्पिटल में मेडिकल आई सी यू बेड नंबर 2 पर भर्ती करवाया, सीनियर प्रोफेसर डॉ. स्वाति श्रीवास्तव की देखरेख में इलाज जारी है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

उपहार सिनेमा अग्निकांड

पीड़ितों ने अंसल बंधुओं की सजा को निलंबित नहीं करने का कोर्ट से किया अनुरोध

रिपोर्टर/अरमान उलहक

नई दिल्ली। उपहार सिनेमा हॉल अग्निकांड के पीड़ितों के संगठन ने सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय से मामले में सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने के लिए रियल एस्टेट व्यवसायी सुशील और गोपाल अंसल को दी गई सात साल की जेल की सजा को निलंबित नहीं करने का अनुरोध किया. वर्ष 1997 में सिनेमा हॉल में लगी आग में 59 लोगों की जान चली गई थी।

एसोसिएशन ऑफ विक्टिम्स ऑफ उपहार ट्रेजडी (एवीयूटी) के वकील ने आठ नवंबर को एक मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा अंसल बंधुओं को सुनाई गई जेल की सजा को चुनौती देने वाली याचिकाओं के जवाब में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अनिल अंतिल के समक्ष यह निवेदन किया।

एसोसिएशन की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता विकास पाहवा ने अदालत से कहा कि सबूतों के साथ छेड़छाड़ का अपराध बेहद गंभीर प्रकृति का है क्योंकि यह पूरी आपराधिक न्याय प्रणाली को प्रभावित करता है. उन्होंने कहा, 'यह न्याय प्रक्रिया में सीधा हस्तक्षेप है और इसलिए दोनों भाइयों को सात साल कैद की सजा और 2.25 करोड़ के जुमार्ने को निलंबित करते समय गंभीरता से इस पर विचार करने की आवश्यकता है।

पाहवा ने कहा कि मजिस्ट्रेट अदालत का फैसला पूरी तरह तार्किक था और अदालत ने बचाव पक्ष की प्रत्येक दलील पर गौर किया था आखिर में अदालत इस निष्कर्ष पर पहुंची थी कि यह साजिश का मामला था, जिसे अभियोजन पक्ष द्वारा साबित किया

गया।

पाहवा ने कहा, 'अंसल बंधुओं ने उपहार अग्निकांड से जुड़े मुख्य मामले में उन्हें दी गई स्वतंत्रता का दुरुपयोग किया और अदालत के कर्मचारियों के साथ आपराधिक साजिश रचने के बाद सबूतों के साथ छेड़छाड़ की. इस मामले में साजिश उपहार से जुड़े मुख्य मामले में बरी करने के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा उनके खिलाफ एकत्र किए गए सबूतों से छेड़छाड़ करने की थी.' उन्होंने कहा कि यहां तक कि उच्चतम न्यायालय ने भी इस अपराध को बहुत गंभीरता से लिया और दोषसिद्धि के बाद उन्हें दी गई नियमित जमानत रद्द कर दी।

मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा दोषसिद्धि और जेल की सजा को चुनौती देने के अलावा अंसल बंधुओं ने अदालत से अपील लंबित रहने के दौरान सजा को निलंबित करने का भी आग्रह किया है. मजिस्ट्रेट अदालत ने न्यायालय के पूर्व कर्मचारी दिनेश चंद शर्मा और दो अन्य लोगों पी पी बत्रा और अनूप सिंह को भी सात-सात साल कैद की सजा सुनाई और उन पर तीन-तीन लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया था।

उपहार सिनेमा हॉल में 13 जून 1997 को आग लग गई थी, जिसमें 59 लोगों की जान चली गई थी. एवीयूटी अध्यक्ष नीलम कृष्णमूर्ति की एक याचिका पर सुनवाई के समय दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश पर मामला दर्ज किया गया था।

बिहार में 'आतंक' का राज कायम

जनता क्यों है खामोश..?

एलजेपी के अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार चौधरी ने प्रेस वार्ता के दौरान दिया बयान

संवाददाता

मधुबनी। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के मधुबनी जिला अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार चौधरी ने प्रेस बयान जारी करते हुए कहा है बिहार में आतंक का राज कायम है। पिछले एक सप्ताह में मधुबनी जैसे शांतिप्रिय जिला में पत्रकार अविनाश सहित तीन हत्या अपराधियों द्वारा किया गया। जिसकी जितनी भी निन्दा किया जाय कम है। कानून का रक्षक ही भरी अदालत में एडीजे के उपर पिस्तौल लहराते हुए हमला करता है।आज मधुबनी जिला के आम अवाम खुद को डर के साये में जीने पर मजबुर है।

सुशासन की दुहाई देने वाले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्य की कानून व्यवस्था निकल चुका है। राज्य में शराब माफियाओं का सामांतर सरकार चल रही है।आए दिन जहरीले शराब पीने से लोग मर रहे हैं। अगर पंचायत में शराब मिलने पर चौकीदार निलंबित किया जा सकता है तो राज्य में शराब माफियाओं के सामांतर सरकार चलाने पर राज्य सरकार के मुखिया को क्यों नहीं निलंबित किया जा सकता है?

अगर मुख्यमंत्री में थोड़ी सी भी नैतिकता बची है तो नीतिश कुमार इस्तीफा दे दें वरना बिहार की जनता उन्हें इस्तीफा देने पर मजबुर कर देगी।

आज भी गाँधी और गोडसे की लड़ाई चल रही है : पूर्व राज्यपाल अजीज कुरैशी

सम्भल में समाजवादी पार्टी के सांसद शफीकुर्रहमान बर्क के आवास पर की प्रेसवार्ता

रिपोर्टर/अरमान उलहक

सम्भल। ऊत्तराखड़ और उत्तरप्रदेश के पूर्व राज्यपाल जनाब अजीज कुरैशी साहब दिन वृहस्पतिवार को बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी के राष्ट्रीय संयोजक व सम्भल लोकसभा से समाजवादी पार्टी के सांसद जनाब डॉक्टर शफीक उर्रहमान बर्क साहब के आवास पर दीपासराय सराय स्थित बर्क मन्जिल पर मुलाकात करने पहुँचे सांसद आवास पर पूर्व राज्यपाल अजीज कुरैशी का सपा सांसद डॉक्टर शफीक उर्रहमान बर्क व सम्भल विधानसभा से उपविजेता रहे वरिष्ठ सपा नेता जिया उर्रहमान बर्क साहब के नेतवर्त में जोरदार इस्तकबाल किया गया अपने जोरदार इस्तकबाल से उत्साहित होकर पूर्व राज्यपाल ने समाजवादी पार्टी के लोकप्रिय सांसद शफीक उर्रहमान बर्क साहब और प्रतिनिधि युवा नेता जियाउर्रहमान बर्क साहब की जमकर तारीफ की सांसद के साथ प्रेस वार्ता कर बोले आज मुल्क में विदेशी हुक्मरानों से भी ज्यादा जुल्म हो रहा है हिंदुस्तान की सरजमी पर आज भी गाँधी वादी और गोडसे की लड़ाई चल रही है यह लड़ाई इंसानों और राक्षसों की है ऐसी घटनाओं को संरक्षण देने वाली भारतीय जनता पार्टी को सत्ता से बाहर करने को सभी राजनीतिक दलों को एकजुट होना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधते हुए पूर्व राज्यपाल अजीज कुरैशी ने कहा भारतीय जनता पार्टी के लोग आज मिलकर हिंदुस्तान को बर्बाद कर रहे हैं इंसानियत और भाईचारे को खत्म कर समाज को बाँटने का काम कर रहे हैं भाजपा को हराने के सभी धर्म निरपेक्ष दल एक साथ आयें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव यूपी प्रभारी प्रियंका गाँधी की जमकर तारीफ की और कहा प्रियंका गाँधी अच्छा काम कर रही हैं लेकिन अभी इस मुकाम पर नही हैं कि बह अकेले भाजपा को हरा पायें। उन्होंने यह भी कहा की वह भाजपा को हराने के मकसद से ही निकले हैं भाजपा पर तीखी बयानबाजी करते हुए कहा भाजपा ने मुल्क को बर्बाद कर दिया। हिंदुस्तान की हालत कभी इतनी खराब नही हुई जितनी वर्तमान में हैं इस मुल्क में राम हुए हैं तो रावण भी हुए हैं महात्मा गया गाँधी हुए हैं तो गोडसे भी हुए हैं अच्छाई और बुराई की लड़ाई की लड़ाई आज भी जारी है पूर्व केन्द्रीय कानून मन्त्री सलमान खुर्शीद की हिमायत करते हुए कहा उन्होंने अपनी किताब में कुछ भी गलत नही लिखा है किसी भी हिन्दू धर्म ग्रंथ में हिंदुत्व का शब्द इस्तेमाल नही होता है जिन लोगों ने सलमान खुर्शीद का घर जलाया है उन्होंने हिन्दू धर्म की आत्मा को जख्मी किया है सपा सांसद शफीक उर्रहमान बर्क साहब की जमकर तारीफ की उन्हें बेबाक बहादुर राष्ट्रीय नेता बताया।

इस दौरान। सांसद शफीक उर्रहमान बर्क, जिया उर्रहमान बर्क,सपा जिला सचिव नवाव साद आदिल,पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष राजीउर्रहमान,पूर्व छात्र नेता फुरकान तुर्की, वसीम तुर्की,औरंगजेब ऊर्फ मुन्ना सहित सैकड़ों की संख्या में सांसद समर्थक मौजूद रहे।

कॉमन विंटर स्किन केयर मिस्टेक जिनकी वजह से खो जाता है निखार

स्किन केयर के लिए कुछ टिप्स को फॉलो करने के साथ कुछ चीजें ऐसी भी हैं, जो आपको कभी भी ट्राई नहीं करनी चाहिए। ऐसा करने से न सिर्फ आपकी स्किन डल हो जाती है बल्कि आपका नेचुरल ग्लो भी कहीं खोने लगता है। विंटर सीजन में ऐसी कई स्किन केयर मिस्टेक हैं, जिन्हें रिपीट करते रहने से आपका निखार कहीं खो सकता है। आइए, जानते हैं कौन-सी हैं वे स्किन केयर मिस्टेक-

बिना सनस्क्रीन लगाए धूप सेंकना

सनस्क्रीन लगाए बिना आप अगर धूप सेंक रहे हैं, तो इससे टैनिंग हो सकती है। ज्यादातर लोगों को यह गलतफहमी होती है कि सनस्क्रीन का इस्तेमाल सिर्फ गर्मियों में करना चाहिए, जबकि यह बात पूरी तरह गलत है। सर्दियों और यहां तक की बरसात के मौसम में भी आपको सनस्क्रीन लगाकर ही बाहर धूप में निकलना चाहिए।

फेस मास्क न लगाना

फेस मास्क न लगाना भी एक ऐसी स्किन केयर मिस्टेक में शामिल है, जिससे आपका निखार धीरे-धीरे खोने लगता है। आपको सप्ताह में एक बार फेस मास्क जरूर लगाना चाहिए। फेसमास्क लगाने से आपकी स्किन फ्रेश रहती है इसलिए आपको फेस मास्क जरूर लगाना चाहिए।

कम पानी पीना

यह बात सच है कि सर्दियों के मौसम में प्यास कम लगती है लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि आप कम पानी पिएं। इससे आपके शरीर में पानी की कमी हो जाएगी और आपकी बॉडी डिटॉक्स नहीं हो पाएगी। ज्यादा पानी पीने से आपकी स्किन ग्लोइंग रहती है इसलिए सर्दियों में भी कम से कम एक लीटर पानी पीना चाहिए।

ज्यादा गर्म पानी से नहाना

ज्यादा गर्म पानी से नहाने से स्किन ड्राई हो जाती है इसलिए आपको गर्म पानी से नहीं नहाना चाहिए। ज्यादा गर्म पानी से स्किन की ऊपर लेयर ड्राई भी हो जाती है इसलिए आपको ध्यान देना चाहिए कि नहाने का पानी ज्यादा गर्म न हो।

प्रदूषित हवा में कुछ वक्त रहना भी दिमाग पर भारी

याद्दाश्त और सोचने की क्षमता पर असर

महज कुछ वक्त ही प्रदूषित हवा में ली गई सांसें दिमाग खासकर याद्दाश्त पर खतरनाक असर डाल सकती हैं। एक अंतरराष्ट्रीय शोध में यह दावा किया गया है। अमेरिका स्थित क्वींसलैंड विश्वविद्यालय और कानेर्गी मेलॉन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने 'ब्रेन ट्रेनिंग' फोन एप का इस्तेमाल करने वाले एक लाख से अधिक लोगों की निगरानी कर यह निष्कर्ष निकाला। शोध की लेखक एंड्रिया ला नौज ने कहा कि इस दौरान पाया कि जहां प्रदूषण ज्यादा था वहां कुछ ही वक्त बिताने पर युवाओं की याद्दाश्त क्षमता पर बुरा असर दिखा। उनकी सोचने, गणना करने, ध्यान करने व चलने की क्षमता प्रभावित हुई। शोधकर्ताओं ने इसके लिए प्रदूषण कण पीएम 2.5 को जिम्मेदार बताया। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया की 91 आबादी ऐसे स्थानों पर रहती है, जहां हवा का स्तर खतरनाक है।

दिल्ली में हालात खराब

दिल्ली में गुरुवार को पीएम 2.5 का स्तर 162 दर्ज किया गया। मानकों के मुताबिक, यह 60 से नीचे होना चाहिए। वायु गुणवत्ता सूचकांक 347 दर्ज किया गया। बुधवार के 375 के मुकाबले मामूली सुधार हुआ पर 'बेहद खराब' श्रेणी में ही है।

इन पर ज्यादा असर

शोध के मुताबिक, जहां ज्यादा प्रदूषण है वहां कामकाज प्रभावित हो सकता है। शिक्षक, डॉक्टर, नर्स जैसे लोगों पर इसका असर ज्यादा दिखा। कृषि क्षेत्रों में काम करने वालों पर कम। यह अध्ययन नेशनल ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक रिसर्च जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

मोटे बच्चों को ज्यादा रहता है कोरोना के गंभीर संक्रमण का खतरा

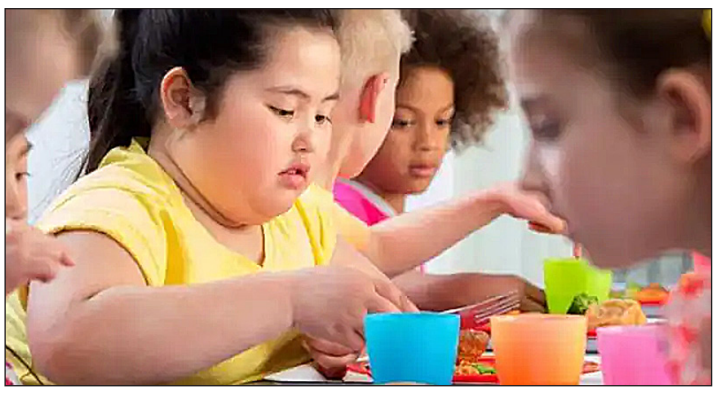

मोटापे से ग्रस्त बच्चों को कोरोना के गंभीर संक्रमण का खतरा अधिक होता है। एक अध्ययन में यह निष्कर्ष सामने आया है। अध्ययन के मुताबिक कोरोना के साथ ही मधुमेह और मोटापे की वजह से बच्चों में अस्पताल में भर्ती होने की संभावना बढ़ जाती है।

कनाडा, ईरान और कोस्टा रिका में 400 से अधिक कोरोना मरीजों (12 साल से अधिक उम्र वाले बच्चे) पर हुए हालिया अध्ययन से पता चला है कि मोटापा कोरोना के गंभीर संक्रमण से जुड़ा हुआ है। अध्ययन के मुताबिक मोटापा एकमात्र मुख्य स्वास्थ्य स्थिति थी, जिसने इस आयु वर्ग में कोरोना के गंभीर संक्रमण के जोखिम को तीन गुना तक बढ़ाया।

शोधकर्ताओं के मुताबिक कोरोना के गंभीर संक्रमण का संबंध अधिक वजन से क्यों हैं, इसके बारे में अभी कुछ भी स्पष्ट नहीं है, लेकिन ऐसा लगता है कि अधिक वजन और मोटापा विशेष रूप से इस बात को प्रभावित करता है कि संक्रमण में हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली वायरस को शुरूआत में ही कितनी अच्छी तरह नियंत्रित कर सकती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक मोटापे का एक यांत्रिक प्रभाव भी हो सकता है, जिसमें मोटापा अंदर से छाती को संकुचित करता और तनाव के समय फेफड़ों की गतिविधियां और वायुमार्ग का आकार कम हो जाता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक यदि आपके बच्चे अधिक वजन वाले हैं, तो उन्हें टीके कोरोना से सर्वोत्तम सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं। साथ ही शोधकताओं ने कहा कि अगर किसी अभिभावक को लगता है कि उनके बच्चे का वजन बढ़ सकता है, तो अभिभावकों को परिवार की शारीरिक गतिविधि, स्क्रीन टाइम, सोने और खाने के व्यवहार में कुछ बदलाव करने पर विचार करना चाहिए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

MUMBAI HALCHAL ACHIEVER'S AWARD - 2021

Shri. Bhagat Singh Koshyari ji
(Governor Of Maharashtra)

दैनिक मुंबई हलचल

सफ़र में धूप तो होगी,
जो चल सको तो चली ।
सभी हैं भीड़ में तुम भी,
निकल सको तो चली।
किसी के वास्ते,
राहें कहाँ बदलती हैं ।
तुम अपने आप को खुद ही,
बदल सको तो चली ।
यहाँ किसी को कोई,
रास्ता नहीं देता ।
मुझे गिरा के अगर,
तुम सँभल सको तो चली।
कहीं नहीं कोई सूरज,
धुआँ धुआँ है फ़ज़ा।
खुद अपने आप से,
बाहर निकल सको तो चली।
यूं तो राह में मुश्किलें,
तो होगी ही सदा।
महामहिम कोशियारी की,
राह पर चल सको तो चली।
यही है ज़िंदगी कुछ,
ख्वाब चंद उम्मीदें।
इन्हीं खिलौनों से तुम भी,
बहल सको तो चली।

-: दै. मुंबई हलचल परिवार :-
पत्रकार संघ वेलफेअर एसोसिएशन